मिजाज-ए-मौसम

प्रदेश के मुख्य शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
इंदौर	25°c	15°c
ग्वालियर	24°c	10°c
जबलपुर	25°c	13°c

देश के प्रमुख शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	24°c	09°c
मुंबई	32°c	24°c
चेन्नई	31°c	22°c
कोलकाता	28°c	19°c

राजधानी के खास इवेन्ट्स

गमक समारोह
- कहां : जनजातीय संग्रहालय
- समय : शाम 6.30 बजे

शाश्वत प्रदर्शनी
- कहां : जनजातीय संग्रहालय
- समय : दोपहर 12 बजे से

राहगीरी डे
- कहां : बोट क्लब
- समय : सुबह 7 बजे से

माह का प्रदर्श
- कहां : मानव संग्रहालय
- समय : सुबह 11 बजे

अफसरों के कहने पर कंपनी ने बदली गेंट्री की लोकेशन, बीएमसी ने थमाया दो करोड़ का बिल

नगर निगम ने की सभी गेंट्री की जांच

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल

शहर में गेंट्री लगाने के लिए तय स्थान कंपनी ने बदल दिए। बताया जा रहा है तत्कालीन आला अफसरों के मौखिक निर्देश पर दूसरी लोकेशन पर यह लगा दिए। नगर निगम की जांच में यह बात सामने आ चुकी है। निगम ने अब कंपनी को दो करोड़ रुपए जमा करने के लिए कहा है। राजधानी में 160 स्थानों पर दिशासूचक बोर्ड (गेंट्री) लगाने का जिम्मा यूनिकॉर्प को सौंपा गया। गेंट्री के एक तरफ क्षेत्रों की दिशा बताने की जानकारी दी जाती है और दूसरा हिस्सा विज्ञापन के लिए रखा जाता है। यह प्रोजेक्ट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप पर किया जा रहा है। निगम की इसमें कोई राशि नहीं लगेगी। यूनिकॉर्प कंपनी को 26 रुपए प्रति वर्ग फीट के हिसाब से साल भर में करीब एक करोड़ रुपए का भुगतान निगम को करना होगा।

पेमेंट के लिए तैयार नहीं थी कंपनी : निगम के गेंट्री लगाने में गड़बड़ियों की शिकायतें मिली थी। इसकी पुष्टि के लिए निगम अमले ने गेंट्री का सर्वे कराया था। इसमें सामने आया कि 120 गेंट्री लगी हैं। कुछ जगह लोकेशन बदली हैं। आकार में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। इसके आधार पर नगर निगम ने कंपनी को दो करोड़ रुपए का बिल थमाया था। हालांकि, कंपनी करीब एक करोड़ रुपए शुल्क बनने की बात कह रही थी। बताया जा रहा है कंपनी अब दो करोड़ के भुगतान के लिए तैयार हो गई है।

शुरुआत से ही विवादों में रहा काम, चयन प्रक्रिया पर लोकायुक्त में शिकायत : गेंट्री लगाने का प्रोजेक्ट शुरुआत से ही विवादों में रहा। एक मई, 2018 को कांग्रेस की रैली के ठीक बाद बाणगंगा स्थित गेंट्री गिर गई थी। इसकी चपेट में एक चारपहिया और दोपहिया वाहन आ गया था। गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ। तत्कालीन कांग्रेस पार्षदों ने घटिया क्वालिटी की गेंट्री लगाने की शिकायत तब के निगम कमिश्नर से की थी। इनकी मजबूती पर सवाल उठाए थे। तब निगम प्रशासन ने भी माना था कि बार-बार अल्टीमेटम देने के बाद भी यूनिकॉर्प कंपनी ने मैनिट या अन्य किसी मान्य एजेंसी से गेंट्री के लिए स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट नहीं लिया। मतलब, पोल की बुनियाद कितनी मजबूत है, कितना दबाव झेल सकती है, इसका कोई सबूत संबंधित कंपनी ने निगम को नहीं दिया। फिर यूनिकॉर्प कंपनी ने गेंट्री लगाने के करीब छह महीने बाद इनकी मजबूती का सर्टिफिकेट लिया। इसके अलावा गेंट्री लगाने के लिए कंपनी चयन की प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत लोकायुक्त से हो चुकी है। इसमें कहा गया कि गेंट्री लगाने के लिए ऑनलाइन ऑफर बुलाए गए थे। पर प्रस्ताव ऑफलाइन खोल लिए गए। इस पर लोकायुक्त ने नगर निगम से विस्तृत रिपोर्ट तलब की थी।

बालिका गृह में बच्चियों से गाली गलौच के साथ होती है बात

बाल आयोग के सदस्य को निरीक्षण के दौरान बताई पीड़ा

शहर प्रतिनिधि, भोपाल

अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर बाल आयोग के सदस्य बालिक का गृह का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान बच्चियों ने कहाकि की उनके साथ गाली-गलौच के साथ बात की जाती है। इस पर बाल आयोग के सदस्य ने नाराजगी जताते हुए महिला बाल विकास विभाग के पीएस को कार्यवाही के लिए पत्र लिख रहे है। अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के अवसर पर मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने नेहरू नगर स्थित बालिका गृह का शनिवार को निरीक्षण किया। इस दौरान यहां कई तरह की खामियां सामने आई। आयोग के सदस्य ब्रजेश चौहान ने बच्चियों से बातचीत की। बातचीत में सामने आया कि यहां व्यवस्था ठीक नहीं है। इस दौरान 8 वर्षीय एक छोटी बच्ची ने मासूमियत से छात्रावास की शिकायत की। उसका कहना था कि जो परेशानी मुझे घर में हो रही थी, वही यहां भी हो रही है। आठ साल की बच्ची ने कहा कि मेरे मम्मी-पापा शराब पीकर गाली देकर बात करते हैं, इस कारण हम यहां रह रहे हैं। उनसे यहां भी गाली देकर बात किया जाता है। पांच से छह बच्चियों को सर्दी व खांसी के लक्षण दिखाई दिए, जिसके लिए आयोग ने बच्चियों की कोरोना जांच के निर्देश दिए। अब इन कमियों को दूर करने के लिए बाल आयोग के सदस्य ब्रजेश चौहान महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखेंगे। वर्तमान में बालिका गृह की देखरेख व संरक्षण में 40 बालिकाएं रह रही हैं। इसमें दस साल से कम उम्र की 12 बच्चियां रहती हैं। अक्सर इनके मारपीट और झगड़े की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

एक्सीडेंट में घायल दो साल कोमा में रहेआरक्षक ने तोड़ा दम

भोपाल। एक्सीडेंट में घायल होने के बाद दो साल तक कोमा में रहे आरक्षक में आखिरकार दम तोड़ दिया। बैरसिया पुलिस के मुताबिक, 40 वर्षीय चंदर सिंह यादव पुलिस विभाग में आरक्षक थे और विदिशा जिले के एक थाने में पदस्थ थे। दो साल पहले 30 नवंबर 2018 की रात करीब साढ़े सात बजे वापस लौटते समय बैजाखेड़ी के पास चंदर की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी।

पीएम स्वनिधि में लोन दिलाने बैंक पहुंचे कमिश्नर, एक हफ्ते चलेगा अभियान

योजना में भोपाल प्रदेश में पहले स्थान पर

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में हितग्राहियों को दस हजार रुपए ब्याज रहित मुहैया कराने के लिए 28 हजार से अधिक आवेदन बैंकों को भेजे जा चुके हैं। इसमें से 16 हजार स्वीकृत हो चुके हैं। अब तक 10 हजार 700 हितग्राहियों को लोन मिल चुका है। अभी 12 हजार प्रकरण विचाराधीन हैं। इस सिलसिले में निगम कमिश्नर वीएस चौधरी कोलसानी ने शनिवार को बैंकों के जोनल कार्यालयों में जाकर अफसरों से चर्चा की।

कमिश्नर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा के जोनल हेड से चर्चा की। उन्हें बताया कि 20 नवंबर तक की स्थिति में योजना में हितग्राहियों को कर्ज दिलाने के मामले में भोपाल प्रदेश में पहले स्थान पर है। अफसरों से कहा कि हितग्राही बैंक पहुंचते हैं तो उन्हें ऋण राशि उपलब्ध कराने में देरी न करें। इस पर बैंकों ने आश्वस्त किया कि एक सप्ताह तक विशेष अभियान चला कर ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को ऋण राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

निगम वाहन से डीजल चोरी का वीडियो वायरल

नगर निगम के वाहनों से डीजल चोरी का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसका एक और वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें वार्ड 5 में कचरा कलेक्शन में लगे मैजिक वाहन से एक व्यक्ति पाइप से डीजल निकालता नजर आ रहा है। पास में ही तीन कुप्पियां रखी हैं। वीडियो में दिख रहा है कि खेत के पास किसी सुनसान जगह में वाहन खड़ा है। जानकारी के मुताबिक सुबह सात से दोपहर तीन बजे तक मैजिक वाहनों से कचरा कलेक्शन का काम लिया जाता है। इस दौरान मॉनीटरिंग की जाती है। फिर संबंधित ड्राइवर को वाहन ट्रांसफर स्टेशन पर खड़ा करना होता है।

डीजल चोरी के मामले में जोन के अधिकारियों का कहना है कि उस मैजिक वाहन के ड्राइवर से पूछताछ की जाएगी। दोषी मिलने पर एफआईआर कराएंगे।

शादी के चार महीने बाद महिला डाक्टर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पिपलानी इलाके की घटना

शहर प्रतिनिधि, भोपाल। पिपलानी इलाके में महिला डाक्टर ने शादी के चार महीने के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उनके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं, मायके पक्ष के लोगों ने दहेज प्रताड़ना के आरोप लगाए है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 30 वर्षीय डा. सरिता सिंह, डी-2 ए सेक्टर पिपलानी में रहती थी। वह रातीबड़ स्थित एक आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में डाक्टर थी। वह बीएएमएस करने के बाद एमडी कर चुकी थी। उनके पति दिलीप पटेल एमबीबीएस हैं। वह फिलहाल घर पर ही मरीज देखते हैं। शुक्रवार शाम को सारिता के सास-ससुर सैर पर गए थे। इसी दौरान वह घर पर अकेली थी। तभी उन्होंने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जब सास- ससुर वापिस घर लौटे तो वह फंदे लटकी मिली। सास-ससुर ने सरिता को फांसी के फंदे से उतारकर पास के अस्पताल ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। सरिता के पति घटना के समय बाहर गए हुए थे। अस्पताल की सूचना पर पुलिस को जानकारी मिली। शव का हमीदिया अस्पताल में शनिवार को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के सामने पीएम कराया गया है। सरिता की चार माह पहले ही शादी हुई थी। एएसआई आरआर बघेल ने बताया कि सरिता के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी के पति समेत ससुराल पक्ष शादी के बाद से उसे प्रताड़ित कर रहे थे। प्रताड़ना रकम की मांग के लिए दी जाती थी। मृतका नवविवाहिता होने के कारण पूरे मामले की जांच सीएसपी गोविंदपुरा करेंगे। जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

दूध में पानी की मिलावट, जांच में फैट की मात्रा आई कम

राजधानी सहित पूरे संभाग में लिए गए दूध के 150 सैंपल

कार्रवाई देख भागे टबरे वाले

भोपाल में तीन स्थानों पर लिए गए 65 नमूने

शहर संवाददाता, भोपाल

मिलावट के खिलाफ अभियान के तहत राजधानी सहित भोपाल संभाग में शनिवार सुबह पांच बजे से दूध की जांच की गई। इस दौरान संभाग में करीब 150 नमूने लिए गये। अकेले भोपाल में 65 सैंपल हुए। जांच की जानकारी लगते ही दूध वालों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। कई डबरे वाले चैकिंग होते देख बीच रास्ते से ही गाड़ियां मोड़ कर भाग गये। चलित प्रयोगशाला में जांच के दौरान दूध में फैट कम मिला। इसकी वजह दूध में पानी मिलाना बताया गया। इसके अलावा संभाग के अन्य जिलों में भी कुछ यही स्थिति रही। दरअसल, संभाग आयुक्त कवींद्र कियावत सहित आला अधिकारियों के पास लगातार शिकायतें पहुंच रही थी कि दूध में मिलावट हो रही है। इसके बाद संभागायुक्त ने संभाग में दूध की जांच के निर्देश दिये थे।

सुबह पांच बजे पहुंच गया था अमला, तीन स्थानों पर हुई जांच : दूध की सप्लाई करने के लिए राजधानी में आसपास से सुबह पांच बजे से लोग आने लगते हैं। इसे देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने तीन स्थानों पर घेराबंदी कर ली थी। इस दौरान दूध लेकर आने वाले डबरा वालों को रोक कर मौके पर ही दूध की जांच की गई। जांच के दौरान भीड़ लगने से बाद में आने वाले कई डबरे वाले बीच रास्ते से ही वापस हो गए। सभी के नाम और पते नोट किये गये हैं। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

देर रात बनाई योजना, सुबह से शुरू की कार्रवाई : मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुणेश पटेल ने बताया कि संभागायुक्त के निर्देश पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी देर रात ही दूध के सैंपल लेने के संबंध में कार्रवाई की कार्ययोजना बनाकर शनिवार सुबह पांच बजे से भोपाल सहित पूरे संभाग में टीमों ने सैंपल लिए। भोपाल के करोद चौराहा, ट्रांसपोर्ट नगर कोकता चौराहा और भदभदा रोड चैकिंग प्वाइंट पर मोबाइल फूड लैब के साथ करीब 65 दूध के सैंपल लिए गए हैं। दोपहर 2 बजे तक सभी सैंपलों की जांच कर ली गई थी। जांच में यूरिया और डिटर्जेंट की मिलावट नहीं मिली है। दूध के सैंपल में फैट की मात्रा कम मिला। इसकी वजह दूध में पानी की मिलावट है। इस दौरान पानी की मिलावट पर दूध वालों को फटकार भी लगाई गई है। साथ ही साफ कर दिया है कि आगे मिलावट मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पिता इलेक्ट्रीशियन, बिटिया सेना में बनी लेफ्टीनेंट

कर्नल नारायण पारवानी व सिद्ध भाऊ से मिली प्रेरणा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि

संत हिरदाराम नगर की एक होनहार बेटी अंजलि नायर भारतीय सेना का कठिन डेढ़ साल का प्रशिक्षण प्राप्त कर शनिवार को लेफ्टीनेंट की पोस्ट पर पदस्थ हुई है। एक अत्यंत ही साधारण परिवार में जन्मी अंजलि नायर के पिताजी अनिल नायर संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज में इलेक्ट्रीशियन हैं, जबकि अंजलि के दादाजी एमईएस में बिजली का काम करते थे। दरअसल संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज में बीते कुछ सालों से सेना से रिटायर कर्नल नारायण पारवानी के व्याख्यानों का आयोजन किया जा रहा है। जिसे देखकर पिता अनिल नायर ने अपनी बेटी को इस व्याख्यान में शामिल करने की संत सिद्ध भाऊ से अनुमति ली। जब अंजलि नायर ने कर्नल पारवानी से भारतीय सेना का गुणगान सुना, उसी समय से उन्होंने ठान ली कि वह भी भारतीय सेना का हिस्सा बनेगी।

होली फेमिली स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने भोपाल के एक निजी कालेज से इंजीनियरिंग की। बाद में उन्होंने सेना में भर्ती होने के लिए आवेदन किया। सेना में लेफ्टीनेंट पद के लिए सर्विस सिलेक्शन बोर्ड साक्षात्कार लेता है जो लगातार 5 दिन चलता है। इसमें सेना में भर्ती होने वाली किसी भी युवती की मानसिक, शारीरिक, कठिन काम करने के प्रति जज्बे के अलावा सामान्य ज्ञान सहित तमाम तरह के सवाल पूछने के अलावा फिटनेस को देखा जाता है लेकिन अंजलि नायर ने सभी बाधाएं पार की और अंततः उनका चयन भारतीय सेना में हो गया।

लोन लेकर पढ़ाया बेटी को

अनिल नायर का मासिक वेतन 15 हजार है, जिससे एक छोटी बेटी व पत्नी सहित चार सदस्यों का खर्च ही मुश्किल से पूरा हो पाता है। उनकी छोटी बेटी नवनिध हासोमल लखानी स्कूल में 11वीं छात्रा है। चूंकि उन्होंने बड़ी बेटी अंजलि को पढ़ाने की ठान ली थी, तो उनका उत्साह देखकर स्वामी हिरदाराम साहिब के आशीर्वाद से संचालित अग्रणी सेवाभावी संस्था जीव सेवा संस्था ने आर्थिक मदद की जबकि उसने बेटी को इंजीनियरिंग कराने के लिए बैंक से भी लोन लिया। नतीजा डेढ़ साल की कठिन ट्रेनिंग शनिवार को पूरी हुई तथा 24 वर्षीय अंजलि नायर अब भारतीय सेना का हिस्सा बन गई है। इस उपलब्धि पर जहां अनिल नायर परिवार में जबरदस्त खुशी का माहौल है, वहीं उन्हें संत सिद्ध भाऊ, कर्नल नारायण पारवानी, जीव सेवा संस्थान के सचिव व वरिष्ठ समाज सेवी महेश दयारामानी, हीरो ज्ञानंचदानी, एसी साधवानी, केएल रामनानी, एलसी जनयानी, भगवान दामानी, पुरूषोतम पारवानी, शिक्षाविद गोपाल गिरधानी सहित कई संगठनों ने बधाई दी है।

छठ का उपवास खोलने के बाद बेहोश हुई महिला, मौत

शहर प्रतिनिधि, भोपाल। छठ पूजा का उपवास खोलने के कुछ समय बाद ही महिला अचानक बेहोश हो गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चैक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक 32 वर्षीय अनीता शर्मा पति रंजीत कुमार परिवार के साथ अमराई बागसेवनिया में रहती थी। वह गृहणी थी। पति रंजीत कुमार प्रायवेट काम करते हैं। अनीता ने पिछले तीन दिनों से छठपूजा का उपवास रखा था। शनिवार की सुबह पूजा समाप्त करने के बाद वह घर लौटी। इसके बाद उन्होंने उपवास खोला और मोहल्ले में प्रसाद बंटवाया। उस वक्त पति काम पर चले गए थे। खाना खाने के कुछ देर बाद ही अनीता की तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गई। बच्चों ने पिता को सूचना दी तो वह घर लौटे और पत्नी को इलाज के लिए एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चैक करने के बाद अनीता को मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच कर रहे एएसआई सूर्यनाथ यादव ने बताया कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

बेटी की करंट लगने से मौत के मामले में पिता पर केस दर्ज

भोपाल, हसं.। बैरसिया थाना इलाके में करंट लगने से हुई एक किशोरी की मौत के मामले में उसके पिता के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को मर्ग जांच के दौरान पता लगा कि पिता ने बिजली के खंभे से सीधे तार डाल रखे थे और पानी की मोटर चलाने के लिए तार के बीच कट लगाया था। घटना के समय किशोरी इसी कट पाइंट पर लगा बिजली का तार निकालने पहुंची थी, तभी उसे करंट लग गया था। पुलिस के मुताबिक, ग्राम दोहाया निवासी नैनसी बघेल (14) स्कूली छात्रा थी। बीती चार नवंबर की सुबह वह घर पर दीपावली की साफ-सफाई कर रही थी। इसी दौरान उसे बिजली का जोरदार झटका लगा। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि घटना के समय नैनसी पानी की मोटर बंद करने के लिए तार निकालने गई थी। यह तार बिजली के खंभे से आए वायर में लगे कट पाइंट पर अटकाया गया था। इस मामले में बच्ची के पिता धर्मेंद्र सिंह की लापरवाही सामने आई, जिससे उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

प्रेमी के लिए पति और बच्चों को छोड़ा उसी के कारण महिला ने की खुदकुशी

कोलार पुलिस ने चार दिन बाद महिला के मित्र पर दर्ज किया आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला

शहर प्रतिनिधि, भोपाल। छिंदवाड़ा की एक महिला ने प्रेमी के लिए पति व बच्चों को छोड़ दिया। बाद में महिला ने प्रेमी के कारण ही खुदकुशी कर ली। कोलार पुलिस ने जांच के बाद के महिला को तथाकथित प्रेमी के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करेगी।

टीआई सुधीर अरजरिया के मुताबिक छिंदवाड़ा जुन्नारदेव की रहने वाली 32 वर्षीय मोना परतेती के दो बच्चे है। उसका पति निजी काम करता है। छह माह पहले वह राकेश नाम के व्यक्ति के साथ भोपाल आकर रहने लगी थी। जहां पर राकेश ने कोलार के बैरागढ़ चिचली में किराये का मकान ले लिया था।

दोनों साथ रह रहे थे। मोना अपने बच्चों से काफी प्यार करती थी। उसे अपने बच्चों को याद आती, तो वह उनसे फोन पर बात कर लेती है। लेकिन जान देने से कुछ दिन पहले महिला को अपने बच्चों की काफी याद आ रही थी। वह उनके पास जाना चाह रही थी, लेकिन राकेश उसको जाने नहीं दे रहा था। जिसके कारण महिला परेशान हो गई थी। उसने अपनी ननद को यह बात बताई थी। जब 17 नवंबर को उसका दोस्त काम से बाहर गया तो मोना ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी।

जब राकेश के मकान मालिक ने महिला को फांसी पर लटका देखा तो उसने राकेश को फोन पर सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की, जांच में सामने आया कि आरोपी महिला का पति नहीं था। जबकि आरोपी महिला का नाम बदलकर दोनों साथ में रह रहे थे। पुलिस जल्द ही राकेश को गिरफ्तार करेगी, जांच में सामने आया है कि राकेश महिला को प्रताड़ित कर रहा था।

एंकर स्टोरी

केंद्रीय प्रबंध समिति व महासमिति की बैठक भोपाल में संपन्न

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ 24 सूत्रीय मांगों को लेकर 26 नवंबर से शुरू करेगा आंदोलन, दिसंबर में होंगे चुनाव

शहर प्रतिनिधि, भोपाल

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ चौबीस सूत्रीय मांगों को लेकर 26 नवंबर से आंदोलन शुरू करेगा। साथ ही दिसंबर महीन में संघ के प्रांताध्यक्ष के चुनाव संपन्न होंगे। यह निर्णय शनिवार को केंद्रीय प्रबंध समिति व महासमिति की बैठक में लिया गया। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की केंद्रीय प्रबंध समिति एवं महासमिति की बैठक बाल्मिकी भवन 228 क्वार्टर गीतांजलि चौराहा साउथ टीटी नगर में शनिवार को प्रांतीय अध्यक्ष ओपी कटियार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कर्मचारियों को देय पांच फीसदी मंहगाई भत्ता, वार्षिक वेतन वृद्धि व सातवें केंद्रीय वेतनमान एरियर की अंतिम अंकित की 75 फीसदी राशि का भुगतान करने सहित पदोन्नति पर लगाई गई रोक को समाप्त करने, लिपिको को शिक्षकों के समान वेतनमान देने, सहायक शिक्षकों का पदनाम परिवर्तन करने, संविदा शिक्षकों की नियमित नियुक्ति, गृह भाड़ा भत्ता सहित अन्य भत्तों को सातवें केंद्रीय वेतन मानकर समान देने सहित 24 सूत्री मांगों पर निराकरण करने को लेकर प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन जिला मुख्यालयों पर 26 नवंबर को करने का निर्णय लिया गया है। जिसका नोटिस 5 नवंबर को प्रशासन को सौंपा जा चुका है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए जिला, तहसील, ब्लाक अध्यक्षों से समीक्षा की गई और सभी के द्वारा आंदोलन को सफल बनाने का आश्वासन दिया गया। राज्य शासन औद्योगिक नीति विभाग द्वारा जारी आदेश 16 अक्टूबर 2020 के परिपेक्ष्य में निर्णय लिया गया है कि समिति के 5 सदस्यों की बैठक 22 नवंबर को आयोजित की गई है। जिस में पांचों सदस्यों से अपने-अपने सदस्य सदस्यों की सूची चाही गई है। यदि सदस्यों द्वारा सूची उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो अन्य पक्षों के सदस्यों से सीधे सूची मांगी जाएगी और जिनके द्वारा सूची उपलब्ध कराई जाएगी उसको मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

यदि किसी के द्वारा सूची उपलब्ध नहीं कराई जाती है, तो महासमिति ने निर्णय लिया है कि अपनी सूची पर चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। निर्वाचन भोपाल में दिसंबर माह में कराए जाने का निर्णय लिया गया है। निर्वाचन प्रक्रिया के लिए निर्वाचन अधिकारी व सहायक निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति हेतु महासमिति द्वारा तय किए गए है। पांचों सदस्यों कि समिति की बैठक में निर्णय नहीं होने की स्थिति में निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति हेतु प्रांतीय अध्यक्ष ओपी कटियार को अधिकृत किया या है। बैठक में विशेष रूप से पूर्व अध्यक्ष एलएन कैलासिया, एसएस रजक, मोहन अय्यर, प्रभेंद्र गौतम , अरविंद श्रीवास्तव, अतुल मिश्रा, राजेश तिवारी, मुकेश खरे, मोहम्मद सलीम, रघुवीर पवार समेत निर्वाचन हेतु गठित समिति के सदस्य डा. सुरेश गर्ग, विजय रघुवंशी, एसएन शुक्ला, बृजमोहन शर्मा, माधवराव खानविलकर, प्रकाश चौहान समेत अन्य मौजूद थे आभार अरविंद भूषण श्रीवास्तव द्वारा किया गया।